064

HD-03

December - Examination 2016

B.A. Pt. II Examination

हिंदी गद्य भाग –II (नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ)

Paper - HD-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों 'अ', 'ब' और 'स' में विभाजित है। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) नाटक के कोई चार तत्त्वों का नामोल्लेख कीजिए।

(ii) ललित निबन्ध किसे कहते है?

(iii) आत्मकथा की विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।

(iv) यात्रावृत्तान्त क्या है?

(v) 'ध्रुवस्वामिनी' में रामगुप्त किस प्रकार का व्यक्ति था?

(vi) धीरललित नायक किस प्रकार का होता है?

(vii) 'एकांकी' में 'संकल्प त्रय' से आप क्या समझते है?

(viii) 'भोलाराम का जीव' कहानी के लेखक कौन है?

(ix) प्रेमचन्द की पत्नी शिवरानी देवी के चरित्र की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(x) घीसा के चरित्र की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। शब्दसीमा अधिकतम 200 शब्द है।

2) आलोचना का अर्थ एवं स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

3) ध्रुवस्वामिनी के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

4) 'महाभारत की एक सांझ' में अभिव्यक्त परिवेश (वातावरण) पर प्रकाश डालिए।

5) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की भाषा की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

6) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''पहली तरह के आलोचक तुलसीदास को श्रध्दा की दृष्टि से हिंदू धर्म का उद्धारक मानते हैं। दूसरी तरह के आलोचक उन्हें प्रतिक्रियावादी मानते हैं। उनकी कला का महत्त्व स्वीकार करते हुए भी उनकी विचारधारा को प्रगतिविरोधी मानते हैं।''

7) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए।

''करकराते हैं वह झूठ जो आदमी बोला, वह बेईमानियाँ जो उसने की, वह छोटे–बड़े अत्याचार जो कभी इस बहाने से अपने अन्त:करण के ऊपर किए/करकराती हैं वह लिप्साएँ जो पूरी नहीं हुईं। यहाँ तो वह

सब कुछ भी नहीं। एक जिन्दगी मिली थी झीनी–झीनी बीनी एक चादर, जिसे कबीरदास ने जतन से ओढ़कर ज्यों की त्यों धर दिया था।''

8) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''तीनों तरफ क्षितिज तक पानी ही पानी था, फिर भी सामने का क्षितिज, हिन्द महासागर का, अपेक्षाकृत अधिक दूर और अधिक गहरा जान पड़ता था। लगता था कि उस ओर दूसरा छोर है ही नहीं। तीनों ओर के क्षितिज को आँखों में समेटता मैं कुछ देर भूला रहा कि मैं, मैं हूँ, जीवित व्यक्ति, दूर से आया यात्री, एक दर्शक।''

9) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' निबन्ध का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड – स) **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है। (शब्द सीमा अधिकतम 400–500 शब्द।)

10) ''ध्रुवस्वामिनी' नाटक के पात्र उसके प्रतिपाद्य में सर्वथा सहायक है।'' इस कथन का विवेचन कीजिए।

11) '' 'तुलसीसाहित्य के सामंतविरोधी मूल्य' निबन्ध में लेखक की प्रगतिशील और सामाजिक दृष्टि दिखाई देती है।'' कैसे? स्पष्ट कीजिए।

12) रामचन्द्र शुक्ल कृत 'उत्साह' निबन्ध की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।

13) टिप्पणी लिखिए। (प्रत्येक 5 अंक)

a) जीवनी
b) संस्मरण
c) आलोचना
d) नाटक